1. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/कौनसे सत्य हैं–
(A) कांग्रेस के नागपुर सत्र (1920) के पश्चात् प्रांतीय कांग्रेस समितियों का गठन भाषायी आधार पर किया गया था
(B) 1948 में कांग्रेस ने भाषायी आधार पर प्रांतों के गठन की मांग को अस्वीकार कर दिया
निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर चुनिये–
(1) केवल (A)
(2) केवल (B)
(3) ना तो (A) ना ही (B)
(4) (A) व (B) दोनो

Ans. 4 (1) व (2) दोनो

व्याख्या :– भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसम्बर 1885 को डफरिन के समय हुई। कांग्रेस का 35 वाँ अधिवेशन 26-31 दिसम्बर नागपुर में हुआ जिसकी अध्यक्षता V. राघवचारी ने की।

→ नागपुर सत्र के बाद प्रान्तीय कांग्रेस समितियों का गठन भाषायी आधार पर किया गया था। इस अधिवेशन में देश को पहली बार भाषायी आधार पर विभाजित करने की बात कही गई थी।

→ इसी अधिवेशन में असहयोग आन्दोलन का प्रस्ताव पारित किया गया।

→ 1948 में संविधान सभा में SK घर के नेतृत्व में भाषायी राज्य आयोग की नियुक्ति की। इसी आयोग ने भाषा के आधार पर प्रांतों के गठन को नकार दिया था।

2. निम्नलिखित में से किस स्थल से शासक मिनेण्डर के सोलह सिक्के प्राप्त हुए हैं–
(1) बैराठ (2) नगरी
(3) रैढ़ (4) नगर

Ans. (1) बैराठ

व्याख्या :– मिनेण्डर के 16 सिक्के बैराठ (राजस्थान) से प्राप्त हुए हैं।

→ प्राचीन ग्रंथों में बैराठ का नाम 'विराटपुर' मिलता है।

→ मिनेण्डर का पंजाब पर लगभग 160 ई. पूर्व 120 ई.पूर्व तक शासन रहा । यह बौद्ध अनुयायी था।

→ **रैढ सभ्यता**– टोंक जिले में स्थित है नगरी, चित्तोड़ में स्थित है।

3. निम्नलिखित में से कौनसा शासक गुर्जर प्रतिहार राजवंश से सम्बन्धित नहीं है–
(1) नागभट्ट-II
(2) महेन्द्रपाल-I
(3) देवपाल
(4) भरतभट्ट-I

Ans. (4) भरतभट्ट-I

व्याख्या :– गुर्जर प्रतिहार वंश की स्थापना हरीश चंद्र ने की थी। प्रतिहारों की प्रारंभिक राजधानी मण्डोर थी।

→ गुर्जर प्रतिहार वंश के प्रमुख शासक नागभट्ट-I, वत्सराज, नागभट्ट-II मिहिरभोज, महेन्द्रपाल-I, राज्यपाल, यशपाल, देवपाल थे।

→ गुर्जर प्रतिहार वंश का अंतिम शासक यशपाल था।

→ मिहिरभौज वैष्णव धर्म का अनुयायी था इसने 'आदिवराह' उपाधि धारण की।

4. राजस्थान के पूर्व मध्यकालीन राज्यों में "नैमितिक" पदनाम का प्रयोग किया जाता था–
(1) राजकीय कवि के लिए
(2) लोक स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख के लिए
(3) राजकीय ज्योतिष के लिए
(4) मुख्य न्यायिक अधिकारी के लिए

Ans. (3) राजकीय ज्योतिष के लिए

व्याख्या :– राजस्थान के पूर्व मध्यकालीन राज्यों में राजकीय ज्योतिष को 'नैमितिक' कहा जाता था।

→ राज्य में आय व्यय का ब्यौरा रखने वाला अधिकारी 'अक्षपटलिका' कहलाता था।

5. क्रांतिकारी जिसे महन्त प्यारेलाल हत्याकांड में सजा मिली थी–
(1) जोरावरसिंह
(2) श्यामजी कृष्ण वर्मा
(3) केसरीसिंह बारहठ
(4) विजयसिंह पथिक

Ans. (3) केसरीसिंह बारहठ

व्याख्या :– केसरीसिंह बारहठ का जन्म शाहपुरा में हुआ लेकिन इन्होंने अपनी कर्मभूमि कोटा को बनाया। 1910 में केसरीसिंह बारहठ तथा विजयसिंह पथिक ने 'वीर भारत माता' का गठन किया।

→ 25 जून 1912 को हीरालाल जालौरी, सोमदत्त, लाहिडी ने साधु प्यारेलाल की हत्या कर दी जिसमें केसरीसिंह बारहठ को भी गिरफ्तार कर लिया। इनको 20 वर्ष की सजा दी गई और बिहार की हजारीबाग जेल में रखा गया।

→ श्यामजी कृष्ण वर्मा ने 1905 में लंदन में 'इंडिया हाउस' की स्थापना की।

→ विजयसिंह पथिक का मूल नाम 'भूपसिंह' था।

→ इन्होंने 'वीर भारत सभा, राज सेवा संघ' की स्थापना की।

6. निम्नलिखित में से किसने राजपूताना की देशी रियासतों के साथ 1817-18 की अधीनस्थ संधि की बातचीत की थी–
(1) डेविड ऑक्टरलोनी
(2) चार्ल्स मैटकॉफ
(3) आर्थर वेलेजली
(4) जॉन जॉर्ज

Ans. (2) चार्ल्स मैटकॉफ

व्याख्या :– लॉर्ड हेस्टिंग्स ने 'घेरे की नीति' के स्थान पर अधीनस्थ पार्थक्य की नीति का क्रियान्वयन किया। राज्यों से संधि करने का कार्य दिल्ली के रेजीडेंट चार्ल्स मैटकॉफ को सौंपा गया।

→ 1818 ई. के अंत तक सिरोही राज्य को छोड़कर सभी राज्यों ने अंग्रेजों के साथ संधि कर ली। सिरोही राज्य के शासक शिवसिंह ने सबसे अंत में 11 सितम्बर 1823 को संधि की।

→ पहली रियासत जो अधीनस्थ पार्थक्य की नीति का शिकार नवम्बर 1817 में करोली रियासत हुई।

7. देशी रियासत जो 25th मार्च 1948 को गठित संयुक्त राजस्थान का हिस्सा नहीं थी–

(1) बूँदी (2) प्रतापगढ़
(3) उदयपुर (4) शाहपुरा

Ans. (3) उदयपुर

व्याख्या :–द्वितीय चरण में 3 रियासतों कोटा, बूंदी, झालावाड़, बाँसवाड़ा, टोंक, प्रतापगढ़, डूंगरपुर, किशनगड़ और शाहपुरा व 1 ठिकाने कुशलगढ़ का संघ 25 मार्च 1948 को 'राजस्थान संघ' के नाम से बनाया गया। इस संघ की राजधानी कोटा, राजप्रमुख कोटा के महाराव भीमसिंह व प्रधानमंत्री गोकुल लाल असावा बनाये गये। इस संघ का उद्घाटन तात्कालीन केंद्रीय मंत्री N.V. गॉडगिल ने किया।

→ उदयपुर रियासत को 18 अप्रेल 1948 को तृतीय चरण में मिलाया गया।

8. त्याग भूमि के संपादक कौन थे–

(1) हरिभाऊ उपाध्याय (2) जयनारायण व्यास
(3) देवी दत्त त्रिपाठी (4) ऋषि दत्त मेहता

Ans. (3) हरिभाऊ उपाध्याय

व्याख्या :– 'त्यागभूमि' का प्रकाशन 1927 ई. में हुआ। इसके संपादक हरिभाऊ उपाध्याय एवं छेमानंद राहत थे।

→ 'त्यागभूमि' में कुल 64 पृष्ठों का प्रकाशन हुआ जिसमें से 16 पृष्ठों पर नारी जागरण की सामग्री प्रकाशित होती थी।

→ जयनारायण व्यास ने 1932 में ब्यावर से 'आगीबाण' समाचार पत्र निकाला। यह राजस्थानी भाषा का प्रथम राजनीतिक समाचार पत्र था।

→ राजस्थान में 'पत्रकारिता का भीष्म पितामह', पण्डित झाबरमल शर्मा को कहा जाता है।

→ ऋषिदत्त ने राजस्थान नामक समाचार पत्र 1923 में ब्यावर में प्रकाशित किया।

9. सुमेलित कीजिये–

मंदिर	जिला
(i) कामेश्वर महादेव	(a) अलवर
(ii) शीतलेश्वर	(b) जोधपुर
(iii) पीपला माता	(c) झालावाड़
(iv) नीलकंठ	(d) पाली

सही कूट का चयन कीजिये–

	i	ii	iii	iv
(1)	a	c	d	b
(2)	d	c	b	a
(3)	d	b	c	a
(4)	a	b	c	d

Ans. (2)

व्याख्या :–

मंदिर		जिला
(i) कामेश्वर मंदिर	–	पाली
(ii) शीतलेश्वर	–	पाली
(iii) पीपला माता	–	पाली
(vi) नीलकंठ	–	पाली
(v) गडरिया महादेव	–	पाली

10. चित्तोड़गढ़ किले के निम्नलिखित मंदिरों में से कौनसा एक जैन मंदिर है–

(1) कुंभ श्याम मंदिर
(2) सातवीश देवरी
(3) समिद्धेश्वर मंदिर
(4) तुलजा भवानी मंदिर

Ans. (2) सातवीश देवरी

व्याख्या :– **सातवीस देवरी**– 11 वीं शताब्दी में निर्मित भवन जैन मन्दिर जिसमें 27 देवरिया स्थित होने के कारण यह सातबीस देवरी कहलाता है।

✯ **कुंभश्याम मन्दिर**– मूलतः यह एक वैष्णव मन्दिर है। 1505 ई. में महाराणा कुंभा ने इसका जीर्णोद्धार करवाया।

✯ **समद्धिेश्वर मन्दिर**– 1428 ई. में इस मन्दिर का जीर्णोद्धार महाराणा मोकल ने करवाया।

→ **तुलजा भवानी मन्दिर**– यह मन्दिर 1535 ई. में निर्मित है जो चित्तोड़गढ़ के मुख्य द्वार रामपोल के पास स्थित है। यह मन्दिर देवी तुलजा भवानी (तुर्या भवानी) को समर्पित है।

11. निम्नलिखित में से कौनसा चित्रकार अलवर शैली की चित्रकला से सम्बन्धित नहीं है–

(1) जमनादास
(2) बक्साराम
(3) नानकराम
(4) नंदराम

Ans. (3) नानकराम

व्याख्या :– अलवर शैली जयपुर चित्रकला की एक उपशैली मानी जाती है।

→ अलवर शैली में गणिकाओं का चित्रण मिलता है।

→ अलवर शैली के प्रमुख चित्रकार शिवकुमार, डालूराम, बलदेव, सालिगराम, जमनादास, छोटेलाल, बक्साराम, नन्दराम।

→ नानकराम किशनगढ़ शैली से सम्बन्धित चित्रकार है।

12. निम्नलिखित में से कौनसा सुमेलित नहीं है–

रचना		लेखक
(1) बोलभारमली	–	यादवेंद्र शर्मा
(2) पागी	–	चंद्रप्रकाश देवल
(3) कोडमदे	–	मेघराज मुकुल
(4) पगफेरो	–	मणि मधुकर

Ans. (3) नानकराम

व्याख्या :–

रचनाऐं		लेखक
बोल भारमली	–	सत्यप्रकाश जोशी
पागी	–	चन्द्रप्रकाश देवल
कोडमदे	–	मेघराज मुकुल
पगफेरो	–	मणि मधुकर
वंश भास्कर	–	सूर्यमल्ल मिश्रण
हम्मीरमदमर्दन	–	जयसिंह सूरी

13. गवरी देवी किस गायन शैली से संबद्ध थी–
(1) लंगा (2) मांड
(3) तालबंदी (4) ठुमरी

Ans. (2) मांड

व्याख्या :– प्रसिद्ध मांड गायिका गवरी देवी/गवरी बाई का जन्म जोधपुर में हुआ। इन्हें 'राज की मरू कोकिला' भी कहा जाता है। इन्हें 'राजस्थान रत्न पुरस्कार' 2013 में दिया गया था। ये मांड गायन के अलावा ठुमरी, भजन और गजल में भी पारंगत थी।

14. नारी संत दयाबाई शिष्या थी–
(1) संतचरणदास
(2) संत निम्बार्काचार्य
(3) संत रैदास
(4) संत रामचरण

Ans. (1) चरणदास

व्याख्या :– संत चरणदास जी का जन्म अलवर के डेहरा में भाद्र शुक्ल तृतीया विक्रम सम्वत 1760 को हुआ। इनका समाधि स्थान दिल्ली में स्थित है। इन्होंने चरणदासी सम्प्रदाय की स्थापना की।

→ दयाबाई एवं सहजोबाई इनकी प्रमुख शिष्याएँ थी।
→ दयाबाई का ग्रंथ 'दयाबोध' और 'विनयमलिका' है।
→ सहजोबाई की रचनाऐं 'सहजप्रकाश एवं 'सौलह विधि' है।
★ **संत रैदास–** संत रैदास की छतरी चित्तोड़ के कुंभ श्याम मन्दिर में स्थित है। इनके उपदेश रैदास की पर्ची में संग्रहित है।

15. गरासिया जनजाति से संबधित नृत्य शैली है–
(1) गबरी (2) लूर
(3) बम (4) तेहरताली

Ans. (2) लूर

व्याख्या :– गरासिया जाति के नृत्य– गैर, बालर, कूद, ज्वारा, लूर, मोरिया, मांदल, रायण।

→ **भीलों के नृत्य–** गबरी/राई, द्विचक्री, घूमरा, हाथीमना, युद्ध।
→ **तेरहताली नृत्य–** कामड़ जाति की महिलाऐं रामदेवजी की आराधना में करती है।

16. विजयदान देथा के बारे में अधोलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
(A) विजयदान देधा राजस्थान के प्रसिद्ध लेखक थे, जिनकी कहानी चरणदास चोर नामक नाटक के रूप में रूपान्तरित की गई
(B) विजयदान देथा रूपायण संस्थान के ग्रह–संस्थापक थे
निम्नलिखित कूट में से सही उत्तर चुनिये–
(1) केवल (A) सत्य है
(2) केवल (B) सत्य है
(3) ना तो (A) ना ही (B) सत्य है
(4) दोनों (A) और (B) सत्य है

Ans. (4) दोनों (A) और (B) सत्य है

व्याख्या :– विजयदान देथा 'बिजली' के नाम से लोकप्रिय राजस्थानी भाषा के साहित्यकार है। उन्होंने 'बाताँ री फुलवारी' की रचना की जो 14 खण्डों में प्रकाशित है। इन्हें 2007 में पदमश्री और 2002 में बिहारी पुरस्कार से सम्मानित किया। इनकी कृतियों 'दुविधा (1973), परिणति (1989) एवं चरणदास चोर (1975), पहेली (2005)' आदि पर फिल्म बन चुकी है। इन्हें 2012 में 'प्रथम राजस्थान रत्न' पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

17. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये–

सूची-I (पर्वत शिखर)	सूची-II (स्थिति/देश)
(A) अल्बरूस	(i) न्यूजीलैण्ड
(B) किलीमंजारो	(ii) USA
(C) माउंट कुक	(iii) तंजानिया
(D) मैकिन्ले	(iv) रूस

	A	B	C	D
(1)	iii	iv	ii	i
(2)	iv	ii	iii	i
(3)	iv	iii	i	ii
(4)	iii	i	iv	ii

Ans. (4) (iv) (iii) (i) (ii)

व्याख्या :–

	पर्वत शिखर		स्थिति/देश
A.	अल्बरूस	–	रूस (यूरोप)
B.	किलीमंजारो	–	तंजानिया (अफ्रीका)
C.	माउंट कुक	–	न्यूजीलैण्ड
D.	मैकिन्ले (डेनाली)	–	संयुक्त राज्य अमेरिका
E.	माउंट एवरेस्ट	–	एशिया
F.	डेनाली	–	उत्तरी अमेरिका
G.	विन्सन मैसिफ	–	अंटार्कटिका
H.	कोशियस्को	–	ऑस्ट्रेलिया

18. जैव विविधता मापने के गणितीय सूचकांकां मे से कौनसाएक स्थानीय स्तर पर किसी संप्रदाय/आवासीय क्षेत्र में माध्य प्रजाति विविधता को दर्शाता है–
(1) अल्फा सूचकांक
(2) बीटा सूचकांक
(3) गामा सूचकांक
(4) इनमें से कोई नहीं

Ans. (1) अल्फा सूचकांक

व्याख्या :– जैव विविधता मापन के लिए तीन सूचकांकों का प्रयोग किया जाता है– अल्फा सूचकांक, बीटा सूचकांक, गामा सूचकांक।

★ **अल्फा सूचकांक विविधता–** स्थानीय स्तर पर किसी समुदाय/आवासीय क्षेत्र में माध्य प्रजातिय विविधता को दर्शाता है जबकि बीटा सूचकांक विविधता किसी क्षेत्र विशेष में उपस्थित प्रजातियों की संरचनात्मक विविधता को दर्शाता है। इसी प्रकार गामा सूचकांक विविधता के अंतर्गत किसी विशेष क्षेत्र में उपस्थित प्रजातियों के मध्य होने वाली अंतःक्रिया का अध्ययन किया जाता है।

19. कौनसा सुमेलित नहीं है–

औद्योगिक प्रदेश	**देश**
(1) रूर	– जर्मनी
(2) दक्षिणी न्यू इंग्लैण्ड	– यूनाईटेड किंगडम
(3) पो घाटी	– इटली
(4) कांटो मैदान	– जापान

Ans. (2) अल्फा सूचकांक

व्याख्या :– दक्षिणी न्यू इंग्लैण्ड– यह औद्योगिक प्रदेश संयुक्त राज्य अमेरिका में है। यह क्षेत्र सूती वस्त्र उद्योग, ऊनी वस्त्र उद्योग, मत्स्य पालन, इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक के लिए प्रसिद्ध है।

★ **रूर–** यह जर्मनी का प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है। यह राईन नदी के उत्तर में स्थित है जो डुईसबर्ग से हार्टमंट तक फैला है। यह लोह इस्पात उद्योग का केंद्र है तथा कोयला उत्पादक क्षेत्र भी है।

★ **कांटों मैदान–** जापान का प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है। यह केन्द्रीय होन्शू के कांटों क्षेत्र में स्थित है। यह इंजीयिरिंग व इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग वायुयान निर्माण, मोटर वाहन उद्योग के लिए प्रसिद्ध है।

★ **पो–नदी घाटी–** इटली का प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र है। यह घाटी खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा, रसायन और मशीनरी जैसे क्षेत्रों के लिए प्रसिद्ध है।

20. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये तथा सही उत्तर का चयन नीचे दिये कूट से कीजिये–

सूची-I (Canal)	**सूची-II (Connects**
(A) कील	(i) भूमध्य सागर को व लाल सागर को
(B) सू	(ii) एल्ब ज्वारनदमुख (एस्चुयरी) व बाल्टिक सागर को
(C) पनामा	(iii) अटलांटिक महासागर व प्रशांत महासागर को
(D) स्वेज	(iv) सुपीरियर झील व ह्यूरान झील को

	A	**B**	**C**	**D**
(1)	ii	iv	iii	i
(2)	i	ii	iii	iv
(3)	iv	iii	ii	i
(4)	iii	ii	i	iv

Ans. (1) (ii) (iv) (iii) (i)

व्याख्या :–

	नहर	**स्थान**	**जोड़ती है**
A.	कील –	(जर्मनी) –	एल्ब ज्वारमदमुख (एस्चुयरी) व बाल्टिक सागर को
B.	सू –	(USA) –	सुपीरियर झील व ह्यूरान झील को
C.	पनामा –	(पनामा) –	अटलांटिक महासागर व प्रशांत महासागर को
D.	स्वेज –	(मिश्र) –	भूमध्य सागर व लाल सागर को

21. निम्नलिखित में से कौनसी पर्वतीय चोटी पूर्वी घाट में अवस्थित नहीं है–
(1) गली कौंडा
(2) सलहेर
(3) सिंकराम गट्टा
(4) मादुगुला कौंडा

Ans. (2) सलहेर

व्याख्या :– सलहेर– यह पर्वत चोटी भारत के महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित है। जो कि पश्चिमी घाट में अवस्थित है।

→ पूर्वी घाट का विस्तार लगभग 1200 km लंबाई में भारत के पूर्वी तटों के सहारे महानदी के दक्षिण से प्रारंभ होकर नीलगिरी की पहाड़ियों तक है।

★ पूर्वी घाट की सबसे ऊँची चोटी 'महेंद्रगिरी' (ओडिशा) है (1501 मी)

★ **पूर्वी घाट की प्रमुख चोटियाँ–** अरमा कोंडा (1690 मी.)ए गली कोंडा (1643 मी.), सिकराम गुट्टा (1620 मी.)द

★ पश्चिमी घाट की सबसे ऊँची चोटी अनाईमुदी (केरल) है।

★ **पश्चिमी घाट की प्रमुख चोटियाँ–** दोदाबेट्टा, कोडाईकनाल, मीस पुलिमल, कुद्रेमुख, पुष्पगिरी, कलसूबाई आदि।